Notes

अवलोकन में विशिष्ठ प्रकार के अवलोकन की योजना बनायी जाती है। जैसे व्यक्ति में भय की प्रवृत्ति का अध्ययन करने के लिए हम यह विवरण लिखें कि किसी निश्चित अवधि में उसे कब - कब भय लगा और उसके कारण क्या थे। इन्हें किन - किन परिस्थितियों में लगा।

② → परिपृच्छा आकार (Inquiry form) →

① प्रश्नावली - questionnaries

अनुसंधान में प्रयुक्त की जाने वाली प्रणालियों में, प्रश्नावली प्रणाली सबसे सरल और सस्ती है। इस प्रणाली का प्रयोग विस्तृत क्षेत्र में अध्ययन करने के लिए किया जाता है। प्रश्नावली के प्रश्नों को क्रमबद्ध तालिका में हैं जो विषय - वस्तु से सम्बन्धित सूचनाओं को एकत्रित करने में मदद देती है।

Bogards — (प्रश्नावली विभिन्न व्यक्तियों

Notes

को उत्तर देने के हेतु दी गई प्रश्नों की एक तालिका है। वह निश्चित प्रमाणीकृत परिणामों को प्राप्त करती है। जिसका सारणीकरण किया जा सकता है और सांख्यकीय उपयोग भी किया जा सकता है।

Kurt Lewin — "हमें यह समझना है कि प्रश्नावली को हम उसी प्रकार समझें जिस प्रकार हम प्रोजेक्टिव प्रविधि को समझते हैं।"

जार्ज लुण्डबर्ग ने — "प्रश्नावली मूल रूप से प्रेरणाओं का एक समूह है, जिसके द्वारा शिक्षित लोग इन प्रेरणाओं के अन्तर्गत अपने मौखिक व्यवहार का अनुभव करने के लिए प्रगट होते हैं।"

उपरोक्त परिभाषाओं से स्पष्ट होता है कि प्रश्नावली अनुसंधान कार्य में उपयोग की जाने वाली प्रश्नों की एक सूची है। जिसे सूचनादाता को देकर, सूचनाओं का संग्रह किया जाता है। इसके माध्यम से प्रामाणिक सूचनाओं की प्राप्ति होती है।

Notes

स्वरूप से प्रश्नावली अनुसूची के बौद्धन समान दिखाई पड़ता है। किन्तु व्यवहारिक प्रयोग की दृष्टि से भिन्न है।

एक उत्तम प्रश्नावली की विशेषताएँ — निम्नलिखित

1. यह अध्ययन से सम्बन्धित समस्या की सूचना एकत्र करने का साधन है।
2. दूर - दूर तक फैले समूह की सूचना एकत्र करने एक साधन है।
3. यह प्राय छपी होती है।
4. यह एक सूची के रूप में होती है। समस्या पर प्रकाश डालने के लिए प्रत्येक पक्ष का अध्ययन करती है।
5. यह उन व्यक्तियों के पास जिनसे सूचना प्राप्त करनी होती है। डाक द्वारा या व्यक्ति विशेष द्वारा भेजी जाती है।
6. इसमे सूचना दाता स्वंय प्रत्येक प्रश्न का उत्तर भरता है।

Notes

⑦ इसमें सूचना दाता का शिक्षित होना आवश्यक है।

⑧ सूचना दाता उत्तर देने में ढिलाई न करें। अतः इसमें प्रश्न प्रेरणादायक होते है।

प्रश्नावली का उद्देश्य — प्रश्नावली के उद्देश्य को मुख्यतः दो भागों में विभाजित किया जाता है। प्रश्नावली के सिद्धान्तिक सैद्धान्तिक दृष्टिकोण से प्रश्नावली का प्रमुख उद्देश्य विशाल क्षेत्र में बिखरे हुऐ व्यक्तियों की जीवन सम्बन्धित सूचनाओं संग्रहण करना है।

विस्तृत क्षेत्र के अध्ययन में प्रश्नावली के अतिरिक्त अन्य कोई प्रणाली इसके समान उपयोगी नहीं हो सकती, क्योंकि यह खर्च की बचत करती है और साथ ही साथ समय भी कम लगता है। सम्पूर्ण क्षेत्र में प्रश्नावली की प्रतियों का वितरण एक ही अवधि के अन्दर डाक द्वारा किया जा सकता है जबकि स्वयं जाकर सूचना संग्रहीत करने का कार्य बड़ा कठिन और असुविधाजनक है। अधिक

Notes

इसके लिये अधिक समय और अधिक खर्च की आवश्यकता होती है।

प्रश्नावली के रूप — अध्ययन की विषय वस्तु की प्रकृति के आधार पर प्रश्नावली को विभिन्न रूपों में विभाजित किया जाता है।

① प्रश्नावली — प्रतिबन्धित प्रश्नावली —

सिन पावो याग — " प्रतिबन्धित प्रश्नावली में प्रायः पूछे गये प्रश्नों के पद क्रमानुसार उत्तर शामिल होते हैं।"

प्रतिबन्धित प्रश्नावली के उदाहरण निम्न प्रकार के किसे — भेदभाव हैं — ① क्या आप जातीय भेदभाव में विश्वास करते हैं। — हाँ/नहीं। यदि हाँ तो निम्न प्रकार के किस भेद-भाव में —

(i) सामूहिक खान पान

(ii) विवाह सम्बन्धों में

(iii) एक साथ उठने बैठने में

(iv) या तीनों में

② क्या आपके यहां कोई ग्राम पंचायत है-

Notes

हाँ। नहीं। यदि हाँ तो क्या आपकी दृष्टि में उसके कार्य संतोष जनक हैं - हाँ। नहीं।

यदि नहीं तो निम्न में कारणों से —

(i) पंचायत में चुने व्यक्ति पसन्द न होने के कारणों से ;—

(ii) लोगों का सहयोग न होने के कारण;

(iii) पंचायत के सिद्धान्त पंसद न होने के कारण;

उपर्युक्त उदाहरण से स्पष्ट है कि प्रतिबंधित प्रश्नावली के अन्तर्गत सूचनादाता को, केवल प्रस्तुत किए गये उत्तरों में से ही, अपनी रुचि के अनुसार उत्तर खोजना होता है। उन तैयार किए गये उत्तरों के अलावा अन्य उत्तरों को प्रदान करने के लिए बन्धन है। अतएव प्रतिबंधित प्रश्नावली का तात्पर्य उत्तरों को एक विशेष सीमा के अन्दर निश्चित कर देने से है। इसका प्रयोग श्रेणीबद्ध तथ्यों को संग्रहीत करने में किया जाता है।

③ **मुक्त या अप्रतिबंधित प्रश्नावली** — इस प्रश्नावली का प्रयोग गहन अध्ययन के लिए किया जाता है। जहाँ गहन अध्ययन की आवश्यकता हो। जैसे —

Notes
(i) नियोजन कार्य में जन-सहयोग को बढ़ाने के क्या उपाय है।
(ii) सहकारी कृषि देश के लिए किस प्रकार लाभदायक है।
(iii) विकास कार्यों सफलता के बारे आपके क्या विचार है?

③ चित्रमय प्रश्नावली — चित्रमय प्रश्नावली का तात्पर्य उस प्रश्नावली से है जिसमे प्रश्न के शाब्दिक स्वरूप के साथ-साथ उसके विभिन्न सम्भावित उत्तरों को चित्रों द्वारा दर्शाया गया हो। जैसे. (i) आपका कुटुम्ब कितना बड़ा है?
(ii) आप देहात में रहना पसन्द करते है।

④ मिश्रित प्रश्नावली — इसका प्रयोग उस स्वरूप से है जो पूर्णरूपेण प्रतिबंधित हो न प्रतिबंधित। व्यवहारिक दृष्टिकोण से न किसी प्रश्नावली को पूर्णप्रतिबंधित कह सकते हो या अप्रतिबंधित। इसमें मिला-जुला प्रश्नों का रूप होता है —. जैसे,
(i) क्या आप जातिय भेदभाव में विश्वास करते हो? हाँ तो क्यों। नहीं तो क्यों —.

Notes

(1) सामूहिक खाना-पान (2) एक साथ उठने बैठने (3) विवाद सम्बन्धों में (4) हाँ या कोई नहीं।

प्रश्नावली के प्रयोग की विधियाँ — निम्नलिखित है-

(1) **प्रत्यक्ष सम्बन्ध —** direct contact : जब सम्पूर्ण जनसंख्या एक ही स्थान पर हो तो अनुसंधानकर्ता उनसे प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापित करके उन्हें प्रश्नावली देता है।

(2) **डाक द्वारा भेजकर —** Mailed questionnaire : जब जनसंख्या एक स्थान पर उपलब्ध नहीं होती है तो डाक द्वारा भेजकर उत्तर प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। इसकी सुविधाओं एवं असुविधाओं की चर्चा ऊपर हो चुकी है।

(ii) (अनुसूची)

विगत वर्षों में भौतिक अनुसंधान के अन्तर्गत प्रकृति विज्ञान के अनुसंधानों की भाँति, विश्वसनीयता लाने का प्रयास किया गया है। इसकी प्रतिक्रिया फलस्वरूप तथ्य संग्रहण के परोक्ष माध्यमों की अपेक्षा, प्रत्यक्ष माध्यमों को लिया जाता है।

अनुसूची और प्रश्नावली में अत्याधिक समानता है। अन्तर केवल इतना है कि अनुसूची में, अनुसंधानकर्ता सूचना दाता से साक्षात्कार द्वारा प्रत्यक्ष रूप से सूचना प्राप्त करता है। जबकि प्रश्नावली में परोक्ष रूप से है सूचना प्राप्त करता है।